नवभारत, मुंबई 4 जुलाई 2008 9

सभी खाद्य तेलों के दाम बढ़े, पर जैतून तेल स्थिर

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. पिछले एक वर्ष के दौरान लगभग सभी खाद्य तेलों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है और यह बढ़ोतरी भी काफी ज्यादा यानी 20 से 40 प्रतिशत तक की हुई, लेकिन एक खाद्य तेल ऐसा भी है. जिसके दाम स्थिर बने हुए हैं और उसमें कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है. ऑलिव ऑयल यानी जैतून तेल के मूल्य में वृद्धि नहीं हुई है. इसके दाम लगभग स्थिर है.

जैतून तेल देश में यूरोप से आयात होता है. यह यूरोप में सबसे ज्यादा बिकने वाला खाद्य तेल है और वहां यह काफी स्वास्थ्यवर्द्धक तेल माना जाता है. भारत में इसका आयात व विपणन करने वाली कंपनियों की संस्था इंडियन ऑलिव एसोसिएशन के अध्यक्ष वी.एन. डालमिया का कहना है कि अप्रैल में जब सरकार ने खाद्य तेलों की कीमतों पर नियंत्रण के लिए आयात शुल्क राहत प्रदान की थी, तो नए आयात पर जैतून तेल के दाम आयात शुल्क कटौती के अनुरूप घटने की उम्मीद थी, परंतु इस बीच यूरोपीय मुद्रा यूरो के समक्ष रुपया कमजोर हो गया. अप्रैल से लेकर अब तक 'यूरो' करीब 11 प्रतिशत महंगा हो गया. इससे जैतून तेल की आयात लागत भी बढ़ गई.

हालांकि यूरोप में जैतून तेल की कीमतें स्थिर हैं, लेकिन यदि रुपए के मुकाबले यूरो महंगा होता है तो आगे जैतून तेल के दाम भी बढ़ जाएंगे. वैसे जैतून तेल पहले से महंगा खाद्य तेल माना जाता है. एक समय सनफ्लावर तेल के 10 गुना दाम पर जैतून तेल मिलता था. परंतु अब यह अंतर 3 गुना से भी कम रह गया है.